



जुलाई 2023



होप प्रोजेक्ट में प्रशिक्षण देते हुए किशन थापा

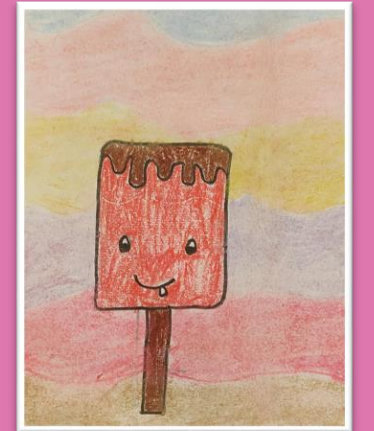
होप प्रोजेक्ट संस्था में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (TOT)

एम्बेस्डर्स ऑफ़ चेंज टीम ने 10 जुलाई से 13 जुलाई 2023 तक निजामुद्दीन में स्थित होप प्रोजेक्ट संस्था के 20 शिक्षकों के साथ जीवन कौशल और किशोर-किशोरियों से जुड़े मुद्दों पर प्रशिक्षण आयोजित किया।

फाउंडेशन के प्रशिक्षकों ने सत्रों में विचार-विमर्श, ब्रेन स्टोर्मिंग, कहानी सुनाना, सामूहिक गतिविधि, सामूहिक चर्चा, अनुभव साझा करना, दृश्य-श्रव्य आदि विधियों और प्रणालियों का उपयोग किया, जिससे प्रतिभागी सम्बंधित विषयों को सहजता से समझ और सीख पाए।

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, भावी प्रशिक्षकों को विषय वस्तु को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने, प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देने, और सीखने की क्षमता बढ़ाने का काम करता है। प्रशिक्षित प्रशिक्षक फिर उन समुदायों में प्रशिक्षण आयोजित करते हैं जहाँ वे रहते हैं, इससे AOC कार्यक्रम की पहुँच और स्थिरता बनाये रखने में वृद्धि होती है।

ख्वाबगाह के छात्रों द्वारा
कला और शिल्प कार्य



KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

[/modicarefoundation.org](http://modicarefoundation.org) [/officialmodicarefoundation](https://www.facebook.com/officialmodicarefoundation)

[modicarefoundation](https://www.instagram.com/modicarefoundation)



खाबगाह स्कूलों में वन महोत्सव

वन महोत्सव या वनोत्सव प्रतिवर्ष, जुलाई के पहले सप्ताह में मनाया जाता है। के एम मुंशी, केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री ने 1950 में इसकी शुरुआत की थी। वन महोत्सव का मकसद लोगों को पौधरोपण अभियानों में और पर्यावरण के प्रति जागरुकता फैलाने में शामिल करना है।

खाबगाह स्कूलों में, इसे हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। सभी कक्षाओं के छात्रों ने सदाबहार, चमेली, ड्रेसीना, ओलीएंडर आदि के पौधे लगाए।

छात्र पौधों की देखभाल कर रहे हैं और उनके बारे में सीख रहे हैं। उन्हें हरित आवरण के महत्व की सीख मिल रही है, खासकर वायु प्रदूषण को दूर करने में, जिसने दिल्ली को त्रस्त कर रखा है।

पहली ToT का अनुभव – प्राची

होप प्रोजेक्ट में शिक्षकों और सामुदायिक कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित चार दिवसीय टीओटी प्रशिक्षण की आवश्यकता को समझने और एक प्रभावी सत्र देने के लिए आवश्यक विभिन्न उपकरणों और तकनीकों को सीखने में सहायक साबित हुई। किशोरों के साथ सत्रों के विपरीत, टीओटी प्रतिभागियों के किशोरों के साथ काम करने के अनुभव और उनके सामने आने वाले मुद्दों को एकीकृत करने की दिशा में अधिक केंद्रित थी। सत्र अधिक विस्तृत और व्यापक थे और इसमें विभिन्न मीडिया का उपयोग किया गया ताकि प्रतिभागी किशोरों के साथ इन मुद्दों पर बात करने और उनके प्रश्नों का समाधान करने के लिए बेहतर ढंग से लैस हो सकें। प्रतिभागियों को गहन समझ प्राप्त करने के उद्देश्य से गतिविधियों, चर्चाओं, वीडियो, केस अध्ययन और अनुभव साझा करने का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया।



KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

[/modicarefoundation.org](https://modicarefoundation.org) [/officialmodicarefoundation](https://www.facebook.com/officialmodicarefoundation)

[modicarefoundation](https://www.instagram.com/modicarefoundation)



July 2023



Kishan conducting a Training of Trainers (ToT) at Hope Project

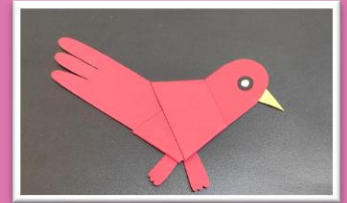
Training of Trainers (ToT) at Hope Project

Ambassadors of Change team conducted a Training of Trainers (ToT) with 20 teachers of Hope Project in Nizamuddin from 10th – 13th July on life skills and adolescent issues.

The trainers used discussion, brainstorming, storytelling, group work, case study, experience sharing, role-play, group activity, group discussion and visual aids to help the teachers understand the topics and learn facilitation skills.

The ToT sessions helps prepare instructors to present information effectively, respond to participant questions, and lead activities that reinforce learning. The trainers then go on to conduct trainings in the communities they live and work in, thus, increasing the outreach and sustainability of the AOC program.

Art and Craftwork by Khwabgah Students



KHWABON KA KARWAAN

A MONTHLY NEWSLETTER

[/modicarefoundation.org](http://modicarefoundation.org) [/officialmodicarefoundation](https://www.facebook.com/officialmodicarefoundation)

[modicarefoundation](https://www.instagram.com/modicarefoundation)



Van Mahotsav in Khwabgah Schools

Van Mahotsav or forest festival is celebrated annually, in the first week of July. KM Munshi, the then Union Minister for Agriculture and Food in 1950, started it. The objective behind celebrating Van Mahotsav is to keep people involved in plantation drives and spread environmental awareness.

In Khwabgah schools, it was celebrated with great enthusiasm. The students of all the classes planted periwinkle, jasmine, dracaena, oleander among others.

The students are tending to the plants and learning about them. They are learning the importance of green covers especially its use in combating air pollution which has been plaguing Delhi.

Experiences of First ToT - Prachi

The four-day ToT held with teachers and community workers at Hope Project was helpful in understanding the need for such a training and also learning the various tools and techniques required for delivering an effective session. Unlike sessions with adolescents, the TOT was more geared towards integrating the participants' experience of working with adolescents and the issues they face therein. The sessions were more detailed and comprehensive and employed the use of various media so that the participants are better equipped to talk about these issues with adolescents and address their queries. Activities, discussions, videos, case studies and experience sharing were used extensively with the aim of participants gaining an in-depth understanding.

